बरेली, सोमवार
12 जनवरी, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 12+4=16

दैनिक जागरण

मंच पर जीवंत हुई राजा दुष्यंत व शकुंतला की अमर प्रेम गाथा

जागरण संवाददाता, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार को महाकवि कालिदास रचित नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' का मंचन किया गया। मंचन के दौरान बताया गया कि चौथी शताब्दी की यह रचना महाभारत के आदि पर्व और पद्म पुराण के प्रसंगों पर आधारित है। 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' कालिदास की वह कालजयी कृति है, जिसका अंग्रेजी और जर्मन सहित विश्व की लगभग सभी प्रमुख भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। नाटक का केंद्रीय भाव सहज और प्राकृतिक सौंदर्य के इर्द-गिर्द बुना गया। कलाकारों ने राजा दुष्यंत और शकुंतला के प्रथम मिलन, गांधर्व विवाह, ऋषि दुर्वासा के श्राप के कारण हुए विरह और अंत में पुत्र भरत के साथ उनके पुनर्मिलन की सुंदर कथा को मंच पर जीवंत कर दिया। दिल्ली के 'रूबरू थिएटर ग्रुप' की ओर से प्रस्तुत नाटक का निर्देशन काजल सूरी ने किया। शुभम शर्मा, तरुण मग्गो, सुजाता जैन और तनीषा गांधी सहित अन्य कलाकारों ने अपने पात्रों को बेहतरीन ढंग से निभाया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा आदि मौजूद रहे।

रिद्धिमा सभागार में नाटक मंचन करते कलाकार • सौ. संस्था